नईदुनिया

सेरा सेनेटरीवेयर का डिविडेंड धमाका! निवेशकों को मिलेंगे 75 रुपए प्रति शेयर

नई दिल्ली

इंटीरियर प्रोडक्ट बनाने वाली अग्रणी कंपनी सेरा सेनेटरीवेयर लिमिटेड अपने शेयरधारकों को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एक बड़ा तोहफा देने जा रही है। कंपनी के बोर्ड आफ डायरेक्टर्स ने प्रति शेयर 75 रुपये के बंपर फाइनल डिविडेंड की सिफारिश की है। यह 5 रुपये के फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयर पर 1500 फीसदी का भारी-भरकम लाभांश है। इस सिफारिश को अंतिम मंजूरी 23 जुलाई को होने वाली 28वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) में मिलेगी, जिसके बाद योग्य निवेशकों की झोली में तगड़ा मुनाफा आएगा। रिकार्ड डेट और पात्रता: कंपनी ने इस बंपर डिविडेंड के भुगतान के लिए 7 जुलाई 2026 को रिकार्ड डेट तय की है। इसका सीधा मतलब है कि जिन निवेशकों के

1500 फीसदी कमाई का मौका, अंतिम मंजूरी 23 जुलाई को होने वाली 28वीं सालाना आम बैठक में मिलेगी

डीमैट अकाउंट में 7 जुलाई, 2026 को कंपनी के शेयर मौजूद होंगे, वे ही इस 75 रुपये प्रति शेयर के लाभांश को पाने के हकदार होंगे। इससे पहले, मई के पहले हफ्ते में हुई बोर्ड मीटिंग के दौरान स्टाक एक्सचेंज फाइलिंग में इस लाभांश की घोषणा की गई थी, जिसे अब अंतिम अनुमोदन मिलना बाकी है। यह कदम उन निवेशकों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है, जो अपने पोर्टफोलियो में इस कंपनी के शेयर रखे हुए हैं या लाभांश से कमाई करने की सोच रहे हैं। एजीएम और बुक क्लोजर विवरण: सेरा सेनेटरीवेयर की 28वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) गुरुवार, 23 जुलाई :को सुबह 11:30 बजे वीडियो कान्फ्रेंसिंग (वीसी) या अन्य आडियो-विजुअल माध्यमों के जरिए आनलाइन आयोजित की जाएगी। कार्पोरेट मामलों के मंत्रालय और सेबी के नियमों के अनुसार यह बैठक पूरी तरह से आनलाइन होगी। इस बैठक में डिविडेंड को अंतिम मंजूरी मिलने के साथ-साथ कई अन्य महत्वपूर्ण एजेंडों पर भी विचार किया जाएगा। लाभांश वितरण की प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए, कंपनी के शेयर ट्रांसफर बुक्स और मेंबर्स के रजिस्टर को 8 जुलाई से 15 जुलाई तक बंद रखा जाएगा, जिसे बुक क्लोजर अवधि कहा जाता है। इस अवधि के दौरान शेयर ट्रांसफर संबंधी कोई कार्य नहीं हो पाएगा। शेयर बाजार में कंपनी का हाल: शेयर बाजार में कंपनी के प्रदर्शन पर नजर डालें तो, बीते शुक्रवार को बीएसई पर सेरा सेनेटरीवेयर के शेयर 0.91 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 6434.00 रुपये पर बंद हुए। हालांकि, पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों में 15.23 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया है, जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत है। वहीं, बीते एक साल में इसमें 5.02 फीसदी की गिरावट देखी गई है। कंपनी का मौजूदा मार्केट कैप 8,298.28 करोड़ रुपये है। लंबे समय में (5 साल) कंपनी ने 43.59 फीसदी का रिटर्न दिया है, जबकि 2 और 3 साल की अवधि में इसमें क्रमश: 28.34 फीसदी और 15.77 फीसदी की गिरावट आई है।

न्यूज ब्रीफ

पानी-ईंधन की दोहरी मार, होटलों की आय पर संकट, सूखते जलाशय और लू के थपेड़े, होटलों को पानी की किल्लत

नई दिल्ली । देश और विदेश की प्रमुख होटल श्रृंखलाएं पानी की गंभीर कमी और लगातार बढ़ती ईंधन कीमतों के दोहरे दबाव का सामना कर रही हैं। उद्योग के कार्यकारी अधिकारियों और विश्लेषकों का मानना है कि इन चुनौतियों से उनके परिचालन पर नकारात्मक असर पड़ेगा और उनकी आय भी प्रभावित होगी। अल नीनो के कारण लंबे समय तक रही भीषण गर्मी ने जलाशयों के जलस्तर को काफी नीचे गिरा दिया है, जिससे मुंबई और दिल्ली जैसे घनी आबादी वाले शहरों में पानी की कमी एक बड़ा संकट बन गई है। मुंबई में बृहन्मुंबई महानगर पालिका ने निर्माण स्थलों और स्विमिंग पूल के लिए पानी की आपूर्ति रोक दी है, और व्यावसायिक एवं औद्योगिक उपयोगकर्ताओं के लिए भी कटौती की है। इसके परिणामस्वरूप, कई होटलों को अपनी कपड़े धोने और पूल जैसी सेवाओं को सीमित करना पड़ा है। होटल एसोसिएशन आफ इंडिया के एक अधिकारी ने बताया कि होटलों के परिचालन लागत पर कुछ असर पड़ने की आशंका है। खास तौर पर इसलिए कि पानी की कमी ऐसे समय में हुई है, जब पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की कीमतों सहित ईंधन की लागत बढ़ गई है। एक हास्पिटैलिटी सलाहकार फर्म ने भी आगाह किया कि पश्चिम एशिया संघर्ष ने पहले ही मार्च तिमाही के राजस्व को नुकसान पहुंचाया है, और अब कमजोर मानसून अगले दो से तीन तिमाहियों तक गैर-जरूरी खर्च को धीमा कर सकता है। इंडियन होटल्स कंपनी के अधिकारी ने अपनी वित्त वर्ष 2026 की वार्षिक रिपोर्ट में इन चिंताओं को दोहराया है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 भू-राजनीतिक बदलाव, प्रतिकूल मौसम और व्यापार बाधाओं से अस्थिर रहा, और चालू वित्त वर्ष में भी यह उतार-चढ़ाव जारी है।

अमेरिकी न्याय विभाग का अदाणी मामले पर यू-टर्न: केस शुरू ही नहीं होना चाहिए था

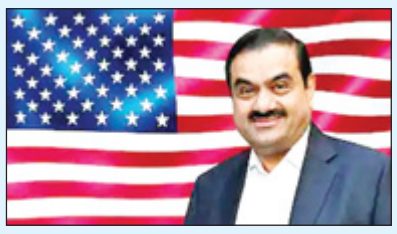

नई दिल्ली। अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने अदाणी ग्रुप के खिलाफ अपने ही एक हाई-प्रोफाइल मामले पर चौंकाने वाला यू-टर्न लेते हुए कहा है कि यह केस कभी शुरू नहीं किया जाना चाहिए था। लगभग दो साल की कड़ी अंतरराष्ट्रीय जांच के बाद आई यह टिप्पणी एक अभूतपूर्व कानूनी बदलाव है, जिसने अदाणी ग्रुप के निवेशकों की धारणा पर गहरा असर डाला था और बाजार में अरबों की वैल्यू खत्म की थी। डीओजे ने अपनी 4 जुलाई की कोर्ट फाइलिंग में मामले के कानूनी और अधिकार-क्षेत्र से जुड़े आधारों पर सवाल उठाए हैं। विभाग ने आरोपों को नाम खराब करने की एक ऐसी कोशिश बताया जो मुकदमा चलने की किसी भी वास्तविक संभावना के बिना की गई थी। डीओजे का स्पष्टीकरण है कि सिक्योरिटीज से जुड़े आरोप कभी नहीं लगाए जाने चाहिए थे और केस समाप्त करने का फैसला कई कानूनी, सबूतों व नीतिगत कारणों से सही था। विभाग के दोबारा मूल्यांकन का मुख्य आधार यह निष्कर्ष है कि कथित गड़बड़ी मुख्य रूप से भारत में हुई थी, जहां भारतीय अधिकारियों ने पहले ही इन आरोपों की जांच की थी और कोई कार्रवाई योग्य गड़बड़ी नहीं पाई थी।

कैशलेस हेल्थ इंश्योरेंस: अस्पताल में क्यों करना पड़ता है जेब से भुगतान

नई दिल्ली। स्वास्थ्य बीमा हर परिवार की एक बड़ी जरूरत बन चुका है, खासकर कैशलेस सुविधा के चलते लोग तनावमुक्त इलाज की उम्मीद करते हैं। लेकिन कई बार अस्पताल पहुंचने पर मरीज को यह जानकर झटका लगता है कि कैशलेस अप्रूवल के बावजूद उसे अपनी जेब से कुछ पैसे चुकाने पड़ रहे हैं। यह स्थिति खासकर अस्पताल में भर्ती होते समय सामने आती है, जब मरीज को एडमिशन फीस या अन्य प्रशासनिक खर्चों के लिए भुगतान करने को कहा जाता है। कैशलेस हेल्थ इंश्योरेंस की सुविधा गंभीर बीमारियों या मेडिकल इमरजेंसी के वक्त भारी-भरकम खर्चों से राहत दिलाने के लिए डिजाइन की गई है। इसका सबसे बड़ा फायदा यही माना जाता है कि मरीज को इलाज के दौरान जेब से कोई बड़ी रकम एडवांस या तुरंत नहीं देनी पड़ती। हालांकि, कई बार ऐसा देखा गया है कि अस्पताल के बिलिंग काउंटर पर पहुंचने पर मरीजों को कुछ राशि एडवांस जमा करने या खुद अपनी जेब से भुगतान करने के लिए कहा जाता है, भले ही उनका कैशलेस अप्रूवल हो चुका हो। यह सवाल कई लोगों को परेशान करता है कि आखिर कैशलेस सुविधा होने पर भी ऐसा क्यों होता है डिजिट इंश्योरेंस के एक प्रमुख अधिकारी ने इस पूरे गणित को विस्तार से समझाया है। उनके मुताबिक, अगर आप अस्पताल के बिलिंग काउंटर पर लगने वाले इन अप्रत्याशित झटकों से बचना चाहते हैं।

मिडकैप फंड्स में निवेशकों का अटूट भरोसा : मई में भी 4,000 करोड़ निवेश

सरकारी खर्च, मजबूत डिफेंस आर्डर और बढ़ती मांग ने मिडकैप कंपनियों के लिए खोले नए रास्ते

नई दिल्ली

भारतीय इक्विटी बाजार में मिडकैप सेगमेंट निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है। मई 2026 में भी मिडकैप म्युचुअल फंड्स में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया, जो अप्रैल के बाद लगातार दूसरा महीना है जब इस कैटेगरी में इतना भारी निवेश आया है। खास बात यह है कि मई में कोई नया मिडकैप फंड लान्च न होने के बावजूद निवेशकों का भरोसा कायम रहा, जो इन कंपनियों के बेहतर ग्रोथ आउटलुक को दर्शाता है। एसोसिएशन आफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2026 में मिडकैप फंड्स में 4,780.58 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया था, जबकि मई में यह आंकड़ा 4,385.06 करोड़ रुपये रहा। मई के दौरान कुल 8,270.23 करोड़ रुपये का निवेश इन फंड्स में आया और 3,885.16 करोड़ रुपये की निकासी हुई, जिससे शुद्ध निवेश 4,385.06 करोड़ रुपये रहा। इसके साथ ही, मिडकैप फंड्स का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट बढ़कर करीब 4.88 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

कोटक म्युचुअल फंड के सीनियर फंड मैनेजर अतुल भोले के अनुसार, सरकार के बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च, डिफेंस सेक्टर के मजबूत आर्डर, इलेक्ट्रानिक्स व सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को मिल रहा बढ़ावा, हेल्थकेयर की बढ़ती मांग और निर्यात के बेहतर अवसरों ने मिडकैप कंपनियों के लिए नए ग्रोथ के मौके पैदा किए हैं। देश की युवा आबादी, बढ़ता घरेलू निवेश और नए आर्थिक सुधार भी इन कंपनियों की कमाई बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अगले 12 महीनों के आउटलुक पर बात करते हुए भोले ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और कच्चे तेल समेत कई कमोडिटी की कीमतों में नरमी से कंपनियों की लागत घटने की उम्मीद है।

टाटा टेक्नोलाजीज 17 को जारी करेगी पहली तिमाही वित्त वर्ष 27 नतीजे, बोर्ड बैठक में अनआडिटेड वित्तीय नतीजों को मिलेगी मंजूरी, जून 24 से इनसाइडर ट्रेडिंग विंडो बंद

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा टेक्नोलाजीज ने अपनी पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026-27) के नतीजों की घोषणा के लिए 17 जुलाई 2026 की तारीख तय की है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इस दिन बोर्ड आफ डायरेक्टर्स की बैठक होगी, जहां जून तिमाही के अनआडिटेड वित्तीय नतीजों को मंजूरी दी जाएगी। उम्मीद है कि नतीजे बाजार बंद होने के बाद जारी होंगे, जैसा पिछली बार हुआ था। कंपनी की रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, 24 जून 2026 से ट्रेडिंग विंडो बंद कर दी गई है। यह विंडो तिमाही नतीजे सार्वजनिक होने और स्टाक एक्सचेंज पर उनकी जानकारी जारी होने के 48 घंटे बाद तक बंद रहेगी। इसका मुख्य उद्देश्य कंपनी से जुड़े इनसाइडर्स को शेयरों में खरीद-बिक्री करने से रोकना है। पिछली मार्च 2026 तिमाही में टाटा टेक्नोलाजीज का प्रदर्शन शानदार रहा था। कंपनी का कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा 8 फीसदी बढ़कर 204 करोड़ रुपए हो गया था, जबकि आपरेशन से आय 22% बढ़कर 1,572 करोड़ तक पहुंच गई थी। एबिटा मार्जिन भी 14.1 फीसदी से बढ़कर 16 फीसदी हो गया था। इस तिमाही में कंपनी ने शेयरधारकों के लिए कुल 11.70 प्रति शेयर का डिविडेंड भी घोषित किया था। शुक्रवार को टाटा टेक्नोलाजीज का शेयर 715.85 रुपए पर 0.50 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ।

मानसून ने पकड़ी रफ्तार, वर्षा की कमी घटी; खरीफ की बुआई को मिली संजीवनी

नई दिल्ली

पहले 40 प्रतिशत रही बारिश की कमी अब घटकर 24 प्रतिशत पर आ गई है। इससे खरीफ फसलों की बुआई, जो जून अंत तक पिछले साल की तुलना में 22 प्रतिशत कम थी, को अब नई जान मिली है। पश्चिम और मध्य भारत में सुस्त मानसून के कारण बुआई ठहर गई थी। खरीफ की अच्छी फसल महंगाई, खासकर दलहन और तिलहन की कीमतों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

देश में बारिश की कमी 40 से घटकर 24 फीसदी हुई, मध्य जुलाई तक सक्रिय रहने के आसार

इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि बंगाल की खाड़ी में अनुकूल मौसम पैटर्न के कारण मानसून का यह सक्रिय चरण जुलाई के मध्य तक जारी रहेगा। स्काइमेट वेदर सर्विसेज के महेश पालवात के अनुसार, इससे मौसमी बारिश की कमी का बड़ा हिस्सा दूर हो जाएगा और जुलाई में सामान्य बारिश होगी। मानसून का प्रदर्शन जुलाई में जून से बेहतर रहने की उम्मीद है।

पालवात ने बताया कि मौजूदा सक्रिय चरण 7-8 जुलाई तक चलेगा, जिसके बाद एक छोटा ठहराव आएगा और फिर लगभग 15-16 जुलाई को एक और सक्रिय चरण शुरू होगा। मानसून अब महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश से उत्तर भारत की ओर बढ़ेगा, जिससे इन क्षेत्रों में भी अच्छी बारिश की संभावना है। इस बीच, मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में बने एक नए दबाव के क्षेत्र की जानकारी दी है। इसके प्रभाव से छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र, ओडिशा, कोंकण, गोवा, गुजरात और सौराष्ट्र में कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है।

ओपेक प्लस के उत्पादन वृद्धि से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड 71.73 डालर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 68.43 डालर प्रति बैरल के आसपास कारोबार करते हुए कई महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गए। इस गिरावट की मुख्य वजह तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक प्लस का उत्पादन बढ़ाने का फैसला और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव में कमी आना है। ओपेक प्लस ने अगले महीने (अगस्त) से रोजाना 1.88 लाख बैरल अतिरिक्त तेल उत्पादन को मंजूरी दे दी है, जिसमें सऊदी अरब और रूस अग्रणी भूमिका निभाएंगे। इस फैसले के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त, पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और स्ट्रेट आफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों पर सामान्य आवाजाही बहाल होने से आपूर्ति बाधित होने का खतरा टल गया है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे प्रमुख उत्पादकों का निर्यात भी लगभग संघर्ष-पूर्व स्तर पर पहुंच गया है, जिससे वैश्विक उपलब्धता और बढ़ी है। निवेशकों को अब आशंका है कि मांग के मुकाबले आपूर्ति की अधिकता हो सकती है, जिससे कीमतों पर दबाव बना रहेगा। यही कारण है कि फिलहाल कच्चे तेल की कीमतों में किसी बड़ी तेजी की उम्मीद कम है।

सर्राफा बाजार की मामूली गिरावट के साथ शुरुआत, सोना व चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,720 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,49,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,34,490 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,36,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में सांकेतिक कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,46,870 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,49,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,36,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,46,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,870 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,34,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,46,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,34,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए थे। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे थे। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

चिप बनाने वाली कंपनियों के शेयर में आई बड़ी गिरावट की वजह से पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में दबाव का माहौल बना रहा। एस एंड पी 500 इंडेक्स सपाट स्तर पर 0.01 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 7,483.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। इसी तरह नैस्डेक ने 207.36 अंक यानी 0.80 प्रतिशत टूट कर 25,832.67 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया था। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 52,852.23 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा

है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 10,679.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.39 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,508.07 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 198.43 अंक यानी 0.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,779.31 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से छह के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। हैंग सेंग इंडेक्स 134.97 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,485 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,046.71 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 5,876.60 अंक के स्तर पर आ गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,318 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,239.31 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स पर जबरदस्त दबाव बना हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 156.85 अंक यानी 1.94 प्रतिशत टूट कर 7,931.49 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 655.07 अंक यानी 0.94 प्रतिशत फिसल कर 69,089 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 115.07 अंक यानी 0.25 प्रतिशत लुढ़क कर 46,665.55 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,610.20 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।